Maithili - Wives Scriptures

- इफिसी 5:22-24 हे स्त्री सभ, अहाँ सभ जहिना प्रभुक्त अधीन मे रहैत छी, तहिना अपना-अपना पितक अधीन मे रहू। 23 कारण, जाहि तरहेँ मसीह अपन शरीरक, अर्थात् मण्डलीक, सिर छिथ और ओकर मुक्तिदाता छिथ, तिहना पित अपन स्त्रीक उपर, अर्थात् ओकर सिर, अछि। 24 तँ जाहि तरहेँ मण्डली मसीहक अधीन रहैत अछि, ताहि तरहेँ स्त्री सभ कैँ सभ बात मे अपना-अपना पितक अधीन रहबाक छैक।
- इफिसी 5:31,33 धर्मशास्त्र में लिखल अछि जे, "एहि कारणेँ पुरुष अपन माय-बाबू केँ छोड़ि कर अपन स्त्रीक संग रहत, और दूनू एक शरीर भ्रड जायत।" 32 ई एकटा पैघ रहस्य अछि, मुदा हम एकरा एहि रूप में बुझैत छी जे ई मसीह और हुनकर मण्डलीक सम्बन्धक दिस संकेत करैत अछि। 33 तैयो एकर व्यक्तिगत रूप में सेहो अर्थ होइत अछि—अहाँ सभ में सँ हर व्यक्ति जहिना अपना सँ प्रेम करैत छी तहिना अपना स्त्री सँ प्रेम करू, और स्त्री अपन पतिक आदर करिथ।
- 1 कोरिन्थी 7:3-5 पित अपना स्त्रीक प्रित अपन वैवाहिक कर्तन्य पूरा करय, आ तहिना स्त्री सेहो अपना पितक प्रित। 4 स्त्री कें अपना शरीर पर अधिकार निह छैक; ओहि पर ओकर पितक अधिकार छैक। आ तिहना पित कें ओकर अपना शरीर पर अधिकार निह छैक; ओहि पर ओकर स्त्रीक अधिकार छैक। 5 अहाँ सभ एक-दोसर कें एहि अधिकार सें वंचित निह करू। नें अपना कें प्रार्थना में समर्पित करबाक लेल से करबो करी तें दूनूक सहमत सें आ किछुए समयक लेल। तस्वन फेर पिहने जकाँ एक संग रहू जाहि सें एना निह होअय ने अहाँ सभ कें अपना पर काबू निह राखि सकबाक कारणें अहाँ सभ कें शैतान प्रलोभन में फैसाबय।
- 1 कोरिन्थी 7:34 एहन मनुष्यक मोन दू दिस लागल रहेत छैक। जकरा पित निह छैक वा जे कुमारि अछि, से एहि इच्छा सँ प्रभुक बात पर ध्यान रखैत अछि जे अपना कैं पूर्ण रूप सँ, तन-मन सँ, प्रभु कैं अर्पण करी। मुदा विवाहिता कैं सांसारिक बात सभक चिन्ता रहेत छैक जे अपना पित कैं कोना प्रसन्न राखी।
- कुतुस्सी 3:18 हे स्त्री सभ, जहिना प्रभु कैँ मानऽ वाली सभक लेल उचित अछि, तहिना अपन-अपन पतिक अधीन रहू।
- उत्पत्ति 3:16 1 तिमुथियुस 2:11-15 स्त्रीगण सभ मण्डलीक सभा में शान्त रहि कऽ अधीनताक संग सिखिथा 12 हम एहि बातक अनुमित निह दैत छी जे स्त्रीगण सभ उपदेश देथि अथवा पुरुष पर हुकुम चलबिथ; हुनका सभ कें चुप रहबाक चाहियिन। 13 कारण, पहिने आदमक सृष्टि भेलिन, आ बाद में हन्वाक। 14 दोसर बात, आदम निह ठक्क्यलाह, बल्कि हन्वा ठका कऽ पाप में पिड़ गेलीह। 15 मुदा तैयो जें स्त्रीगण सभ शालीनताक संग विश्वास, प्रेम आ पवित्रता में स्थिर रहतीह, तैं अपन मातृत्वक कर्तन्य पूरा करैत उद्धार पौतीह।
- 1 पत्रुस 3:1-6 (1/2) एही तरहेँ, हे स्त्री सभ, अहाँ सभ अपन-अपन पतिक अधीन रहू, जाहि सँ जँ

हुनका सभ में सें केओ प्रभुक वचन कें निह मानैत होथि, तें अहाँ सभक पवित्र आ श्रद्धापूर्ण चालि-चलन कें देखि कर हुनका सभक हृदय में परिवर्तन भर जानि आ ओ सभ विश्वास में अबिथ— ककरों किछु कहबाक कारणें निह, बिल्क अहाँ सभक व्यवहारक कारणेंं 3 अहाँ सभक सुन्दरता बाहरी श्रृंगार सें निह आबय, जेना केशक गुहनाइ, वा सोनाक गहना-गुड़िया सभ आ बिढ़याँ-बिढ़याँ कपड़ा पिहरनाइ सें, 4 बिल्क अहाँ सभक भितरी चरित्र सें आबय, अर्थात् नम्र आ शान्त स्वभावक सुन्दरता होअय। एहन सुन्दरता टिकेत अछि, और परमेश्वरक नजिर में बहुत मूल्यवान अछि। 5 किएक तें प्राचीन काल में परमेश्वर पर भरोसा राखड वाली आ अपना पितक अधीन रहड वाली पिवत्र स्त्रीगण सभ एही तरहें अपन श्रृंगार करेत छलीह। 6 उदाहरणक लेल, सारा अब्राहम कें "स्वामी" किंह कर हुनकर आज्ञाकारी रहैत छलीह। अहूँ सभ जें कोनो बात सें भयभीत निह भड़ कर वैह करी जे उचित अछि, तें साराक बेटी सभ ठहरब।

- तीतुस 2:1-5 मुदा अहाँ सही शिक्षाक अनुकूल जे बात अछि सैंह सिखाउ। 2 वृद्ध पुरुष सभ कें सिखिबींन जे ओ सभ संयमी, गम्भीर आ विचारवान होथि तथा सही विश्वास, प्रेम आ धैर्य मे स्थिर। 3 एही तरहेँ बुढ़ि स्त्रीगण सभ कें सिखिबींन जे हुनका सभक चालि-चलन प्रभुक श्रद्धा मानऽ वला लोकक अनुरूप होनि। ओ सभ दोसराक निन्दा-शिकायत निह करिथ आ शराबी निह होथि, बिल्क नीक बात सिखौनिहारि होथि, 4 जािह सँ ओ सभ जबान स्त्रीगण सभ कें सिखा सकिथ जे ओ सभ अपना पित आ बच्चा सभ सँ प्रेम करिथ, 5 आ विचारशील, पवित्र, कुशल गृहणी आ दयातु होथि, और अपन पतिक अधीन रहिथ जािह सँ हुनका सभक न्यवहारक कारणें केओ परमेश्वरक वचनक निन्दा निह करिय।
- 1 कोरिन्थी 11:5-7,10 कोनो स्त्री जे सिर उद्याड़ि कऽ प्रार्थना करैत अछि वा परमेश्वर सँ भेटल सम्बाद सुनबैत अछि से अपन सिरक अपमान करैत अछि किएक तँ ओ एहन बात होइत जेना ओ पूरा मूड़ीक केश छितौने रहैत। 6 कारण, जँ स्त्री अपन सिर निह झाँपय तँ ओ अपन केश कटबा लओ। मुद्रा जँ स्त्रीक लेल पूरा मूड़ीक केश कटौनाइ वा छितौनाइ लाजक बात अछि तँ ओ अपन सिर झाँपओ। 7 पुरुष कैँ अपन सिर निह झँपबाक चाहिऐक, किएक तँ पुरुष परमेश्वरक प्रतिरूप आ हुनकर गौरव अछि। तिहना स्त्री पुरुषक गौरव अछि 10 एहि कारणेँ, आ स्वर्गदूत सभक कारणेँ सेहो, स्त्रीगण सभ कैँ अधिकारक चिन्ह कैँ अपना सिर पर रखबाक चाही।

हितोपदेश 12:4; 14:1; 19:13; 21:9,19; 25:24; & 27:15,16 - contentious & angry woman

हितोपदेश 31:10-31 - The Virtuous Woman

Pastor T. John Franklin
Church of Salvation, Healing, and Deliverance
COS-HAD.org